कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़वानी

फसलवार अनुशंसाऐं

मिर्च

1. मिर्च में नर्सरी प्रबंधन के अंतर्गत नर्सरी उठी हुई क्यारी में 40 मेस वाली नेट के भीतर तैयार करें।

2. मिर्च की महत्वपूर्ण किस्मों के अंतर्गत जी–4 जे.एम–283 तथा पूसा ज्वाला लगाऐं।

3. मिर्च में पर्णसंकुचन वायरस के प्रबंधन के लिये समन्वित नियंत्रण के अंतर्गत नीम तेल 5 प्रतिशत छिड़काव (रोपाई के 40 दिन तक) + पीला प्रपंच (8–10 प्रपंच प्रति एकड़) + आवश्यकतानुसार कार्बोसल्फान 45 मिली/पम्प एवं एसिटामिप्रेड 8 ग्राम/पंप को मिलाकर छिड़काव करें।

4.मिर्च में पौधे सूखने की समस्या के नियंत्रण हेतु पौध रोपाई के समय ट्राइकोडर्मा हरिजीयानम युक्त केंचुआ खाद मिश्रण 100–150 ग्राम/पौधा प्रयोग करें।

पपीता

1. पपीता की खेती के लिये उभयलिंगी किस्मों जैसे बड़वानी पीला, कुर्ग, हनीड्यू, सूर्या, पूसा नन्हा एवं ताइवान नं. 786 का चयन करें।
2. पपीते की पौध कीट प्रतिरोधी नेट (40 मेस वाली) या जाली अंदर उचित देखरेख में तैयार करें।
3. पपीते की रोपाई उठी हुई मेड़ों पर 2.5 X 2 मी. की दूरी पर जुलाई या अक्टूबर में करें। सफेद मक्खी के प्रकोप वाले क्षेत्रो में रोपाई अक्टूबर माह में अनुशंसा की जाती हे।
4. पपीते में वायरस रोग प्रबंधन तकनीक के अंतर्गत पौधो को नर्सरी अवस्था में ही कीटों से बचाए रखने का प्रबंध करें तथा आवश्यकतानुसार खेत में रोपाई के बाद मिथाइल डेमेटान दवा का छिड़काव कर वायरस फैलाने वाले कीटों पर नियंत्रण करें।
5. पपीते में सिंचाई के लिए ड्रिप विधि का प्रयोग करें।